परमाणु वैज्ञानिकों की बैठक टली

भारत सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय नाभिकीय विशेषज्ञों की दिल्ली में होने वाली एक बैठक की अनुमति नहीं दी है। इंटरनेशनल पैनल ऑन फिसाइल मटेरियल (यानी विखंडनीय पदार्थ सम्बंधी अंतर्राष्ट्रीय पैनल) करीब 2 दर्ज़न वैज्ञानिकों और नीति विश्लेषकों का एक स्वतंत्र समूह है जो परमाणु सम्बंधी मुद्दों पर विचार-विमर्श करता है।

इस समूह का गठन 2006 में मैकआर्थर फाउंडेशन के सहयोग से हुआ था और इसने विखंडनीय पदार्थ कटौती संधि का एक मसौदा तैयार किया है। इस संधि में प्रस्ताव है कि दुनिया भर में शस्त्र-उपयोगी विखंडनीय पदार्थ के उत्पादन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। इस प्रस्तावित संधि को जापान, कनाडा व नेदरलैण्ड ने अपना समर्थन दिया है।

समूह 9 दिसंबर के दिन दिल्ली में भारत की परमाणु रणनीति से जुड़े तकनीकी व राजनैतिक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का इच्छुक था। *नेचर* पत्रिका के मुताबिक भारत सरकार के कई प्रमुख अधिकारियों का मत है कि समूह में कई ऐसे विशेषज्ञ हैं जो भारत के प्रति द्वेष भाव रखते हैं। जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर. राजारामन, जो इस पैनल के सह-उपाध्यक्ष भी हैं, का कहना है कि यह सही है कि पैनल सदस्यों के कुछ विचार ज़रूर भारत सरकार के विचारों के विपरीत हैं।

पैनल चाहता है कि विखंडनीय पदार्थों की मात्रा में कमी आए और वे सुरक्षित स्थिति में रहें। ऐसा माना जाता है कि दुनिया में युरेनियम और प्लूटोनियम के भंडारों के बारे में सबसे बढ़िया जानकारी इसी पैनल के पास है। और ये सारे आंकड़े सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध कराए जाते हैं। पैनल उन टेक्नॉलॉजी के एकदम खिलाफ है जिनमें विखंडनीय पदार्थों की और मात्रा का उत्पादन होता है। पैनल के सदस्य खुलकर ऐसे परमाणु रीप्रोसेसिंग का विरोध करते हैं जिसमें ईंधन का रासायनिक पृथक्करण किया जाता है और उसका पुनः उपयोग परमाणु बिजली घरों या हथियारों में किया जाता है। खास तौर से ब्रीडर रिएक्टर्स का विरोध किया जाता है क्योंकि ये रिएक्टर्स बिजली उत्पादन के साथ-साथ नया परमाणु ईंधन पैदा करते हैं। पैनल के कई सदस्यों का मत है कि ऐसी टेक्नॉलॉजी आर्थिक दृष्टि से व्यावहारिक नहीं है और इससे परमाणु युद्ध व आतंकवाद का खतरा बढ़ता है।

राजारामन मानते हैं कि इनमें से कुछ विचार सरकार के विचारों के विरुद्ध है मगर विचार-विमर्श की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। अतीत में अन्य देशों में इस प्रक्रिया ने कई विचारोत्तेजक बहसों को जन्म दिया है। ***(स्रोत फीचर्स)***

स्रोत सजिल्द

स्रोत के पिछले अंक

एक वर्ष सजिल्द रुपए 200.00। डाक खर्च रुपए 25.00 अतिरिक्त ।